संस्कृतम्

(नवमकक्षायाः पाठ्यपुस्तकम्)

माध्यमिकशिक्षापरिषद्, उत्तरप्रदेशः
प्रयागराजः

Royalty Paid Book

प्रथम संस्करण : 2023-24
द्वितीय संस्करण : 2025-26

© माध्यमिक शिक्षा परिषद्, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज

प्रकाशक : माध्यमिक शिक्षा परिषद्, उत्तर प्रदेश
प्रयागराज–211001

सर्वाधिकार सुरक्षित

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रानिकी मशीनी, फोटो प्रतिलिपि, रिकार्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।
- इस पुस्तक की बिक्री इस शर्त के साथ की गई है कि प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना यह पुस्तक किसी अन्य प्रकार से व्यापार, पुनर्विक्रय या किराये पर न दी जायेगी और न बेची जायेगी।
- इस प्रकाशन का सही मूल्य इस पृष्ठ पर मुद्रित है। रबड़ की मुहर अथवा चिपकाई गई पर्ची (स्टिकर) या किसी अन्य विधि द्वारा अंकित कोई भी संशोधित मूल्य गलत है तथा मान्य नहीं होगा।

मूल्य ₹ 17.00

पाठ्य-पुस्तकों के निर्माण में 80 जी.एस.एम. मैपलीथो पेपर IS मार्क नवीनत्म संशोधित BIS Specification 1848/2007 Updated Revised पेपर (सेतिया पेपर मिल्स लि., के. आर. पल्प एण्ड पेपर्स लिमिटेड, बिन्दल पेपर मिल्स लि., मोहित पेपर मिल्स लि., ट्राइडेन्ट लि.) के मानक का प्रयुक्त किया गया है।

मुद्रक एवं वितरक :

राजीव प्रकाशन

48/13A रामबाग, प्रयागराज

दूरभाष : 2402474, 2404980

पुरोवाक्

अतिहर्षावहो विषयोऽयं यद् उत्तरप्रदेशस्थप्रयागराजस्य माध्यमिकशिक्षापरिषदा माध्यमिकोच्चतर माध्यमिक–कक्ष्याणां कृते पाठ्यपुस्तकानां नूतनं संस्करणं प्रस्तूयते।

शिक्षा स्वविस्तृतार्थे शिक्षणस्यासौ प्रक्रिया या आजीवनं निरन्तरं प्रवर्तते, परं तु औपचारिकी शिक्षा मनुष्यस्य ज्ञानं कौशलं च विवर्धय्य तं सुयोग्यं नागरिकं विदधाति। शिक्षायाः प्रक्रियैषा व्यक्तेराचरणं व्यवहरणं बोधस्तरं भाषाबोधं चादधाति।

राष्ट्रियशिक्षानीतिः 2020 अधुनातनवैश्विकपरिदृश्यानुरूपं ज्ञानेन सहैव कौशलस्य महत्त्वमादधाना विद्यालयीयशिक्षायामुच्चशिक्षायां च छात्रेभ्यः संस्कृतस्य तथा चान्यभारतीयभाषाणां विकल्पं प्रददाति। वर्तमाने प्रचलिताः सर्वाः भारतीयभाषाः आहोस्वित् संस्कृताद् विकसिताः उताहो तासु संस्कृतस्य व्यापकः प्रभावः। अथ च निखिलभारतीयभाषासाहित्येऽपि संस्कृतसाहित्यस्य अविनाशिप्रभावः। अतः संस्कृतभाषायाः तत्साहित्यस्य चाध्ययनं भाषाबोधसामर्थ्यं विवर्धयत् स्वाभिज्ञानमूलानि प्राचीनां श्रेष्ठसंस्कृतिं ज्ञानं विज्ञानं दर्शनं च प्रत्यभिज्ञापयत् गौरवस्यानुभूतिं राष्ट्रप्रेमजागरणं चानुतिष्ठति। संस्कृतं भारतीयानामैक्यबन्धावस्थापने दृढं सूत्रमस्ति। अपि च भाषेयं स्वव्याकरणेन शब्दसामर्थ्येन चाभिनवां प्रौद्योगिकीं व्यक्तीकर्तुं पूर्णरूपेण शक्ता। अतः संस्कृतस्याध्ययनम् अत्यन्तमुपयोगाय कल्पते।

विद्यार्थिनां समग्रविकासमभिलक्ष्य नवमदशमकक्ष्ययोः (कक्षा–9, 10) परीक्षासु सत्रार्धपाठ्यक्रमपरीक्षा (सेमेस्टर) पद्धतिः बहुविकल्पीयप्रश्नानां योजनादीनि परिवर्धनानि कृतानि सन्ति। तदनुसारं विदुषां परामर्शदातृणाम् अनुभवसम्पन्नानां विषयविशेषज्ञानां विभागीयसदस्यानां च समवेतप्रयत्नेन सिद्धानि सज्जितानि संस्कृतानि च संस्कृतपाठ्यपुस्तकानि शिक्षकाणामध्यापनाय सुखावहानि विद्यार्थिनां च सुखावबोधाय भवेयुः।

डॉ0 महेन्द्र देवः
निदेशकः (मा0)/सभापतिः
माध्यमिकशिक्षापरिषद्
उत्तरप्रदेशः, लखनऊ

पाठ्यपुस्तक–निर्माण–समिति

संरक्षक :

श्री दीपक कुमार, अपर मुख्य सचिव, माध्यमिक शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन।

निर्देशक :

डॉ0 महेन्द्र देव, शिक्षा निदेशक (माध्यमिक), उत्तर प्रदेश लखनऊ।

संयोजक :

श्री दिब्यकान्त शुक्ल, सचिव, माध्यमिक शिक्षा परिषद्, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज।

सह–संयोजक :

श्री अशोक कुमार गुप्ता, अपर सचिव (पा0पु0रा0), माध्यमिक शिक्षा परिषद्, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज।
श्रीमती श्रद्धा शुक्ला, उपसचिव, माध्यमिक शिक्षा परिषद्, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज।
श्रीमती मनीषा कुशवाहा, सहायक सचिव, माध्यमिक शिक्षा परिषद्, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज।

परामर्शदातृमण्डल :

प्रो0 कृष्णचन्द्र त्रिपाठी, विभागाध्यक्ष, संस्कृत, एन0सी0ई0आर0टी0, नई दिल्ली।
डॉ0 आनन्द कुमार श्रीवास्तव, पूर्व प्राचार्य, सी0एम0पी0पी0जी0 कॉलेज, प्रयागराज।
प्रो0 मनोज कुमार मिश्र, अध्यक्ष, वेद–विभाग, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री रणवीर–परिसर, जम्मू।
डॉ0 राजेन्द्र त्रिपाठी 'रसराज', विभागाध्यक्ष, संस्कृत, इलाहाबाद डिग्री कॉलेज, प्रयागराज।

विषय–विशेषज्ञ :

डॉ0 शम्भुनाथ त्रिपाठी 'अंशुल', पूर्व प्राचार्य, त्रिवेणी संस्कृत महाविद्यालय, दारागंज, प्रयागराज।
डॉ0 सरिता, प्रवक्ता राजपत्रित, राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान, प्रयागराज।
आचार्य कुशल देव, प्रवक्ता, गुरुकुल संस्कृत महाविद्यालय, हापुड़।
डॉ0 कमलेश कुमार, प्रवक्ता, गोपाल विद्यालय इण्टर कॉलेज, कोरांव, प्रयागराज।
डॉ0 अवधेश द्विवेदी, प्रवक्ता, सी.ए.वी. इण्टर कॉलेज, प्रयागराज।
डॉ0 संदीप कुमार मिश्र, प्रवक्ता राष्ट्रीय इण्टर कॉलेज, सुजानगंज, जौनपुर।
डॉ0 शालिकराम त्रिपाठी, स0अ0, राजकीय इण्टर कॉलेज, प्रयागराज।
डॉ0 प्रदीप नारायण शुक्ल, स0अ0, राजकीय हाईस्कूल, ममसी बुजुर्ग, चित्रकूट।

समन्वयक :

सुधा चौरसिया, साहित्यिक सहायक, माध्यमिक शिक्षा परिषद्, उत्तर प्रदेश प्रयागराज।
बबली पासी, साहित्यिक सहायक, माध्यमिक शिक्षा परिषद्, उत्तर प्रदेश प्रयागराज।

चित्राङ्कन :

आशीष नारायन।

●

भूमिका

माध्यमिक शिक्षा परिषद्, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में निर्धारित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत 'संस्कृतगद्यभारती' एवं 'संस्कृतपद्यपीयूषम्', 'संस्कृतकथानाटक–कौमुदी' एवं 'संस्कृतव्याकरणम्' शीर्षक से अभिहित संस्कृत विषय की अनिवार्य पाठ्य–पुस्तक कक्षा–9 के विद्यार्थियों के लिए निर्धारित है। विद्यार्थियों के सम्यक् अवबोध के लिए संकलित पाठ्य–सामग्री के अनावश्यक विस्तार से बचने का प्रयास करते हुए संस्कृत साहित्य की प्रचलित मूल विधाओं गद्य, पद्य, कथा एवं नाटक सहित व्याकरणात्मक अंश समाहित करने में यह भी ध्यान रखा गया है कि पाठ्य–सामग्री विद्यार्थियों के मानसिक स्तर के अनुरूप सुरुचिपूर्ण एवं प्रेरणाप्रद हो।

वस्तुतः संस्कृत भाषा में स्पष्ट व शुद्ध उच्चारण का विशिष्ट स्थान है। अतः संकलित पाठों में प्रायः ऐसे ही शब्दों का चयन किया गया है, जिनका उच्चारण छात्रों द्वारा सरलता से किया जा सके। साथ ही संस्कृत साहित्य का मौलिक कथ्य एवं शिल्प भी प्रतिबिम्बित हो सके, इसका भी पूर्ण ध्यान रखने का प्रयास किया गया है।

विद्यार्थियों के चरित्र–निर्माण एवं सम्यक् ज्ञान हेतु इस पाठ्य–पुस्तक में ऐसे ही महत्त्वपूर्ण पाठों का संकलन किया गया है, जो इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए उपादेय हों। समाज में व्याप्त आधुनिक ज्वलन्त समस्याओं की ओर ध्यानाकर्षण कराने एवं उनके निदान हेतु सार्थक बिन्दुओं पर दृष्टिपात कराने वाले कतिपय पाठों का संकलन नई दिशा का द्योतक है। इस शृंखला में 'पर्यावरणशुद्धिः' 'पुण्यसलिलागङ्गा' आदि शीर्षक उल्लेख्य हैं।

संस्कृतगद्यभारती के अन्तर्गत संकलित पाठ 'अस्माकं राष्ट्रियप्रतीकानि', 'आजादः चन्द्रशेखरः', 'परमवीरः अब्दुलहमीदः' जहाँ राष्ट्रीय भावना एवं देश–प्रेम के प्रति प्रेरित करते हैं, वहीं संस्कृतपद्यपीयूषम् में समाहित पाठ 'रामस्य पितृभक्तिः', 'नारीमहिमा', 'आरोग्यसाधनानि' आदि के द्वारा सामाजिक संस्कार, नारी की गुरुता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागृति का संचार होता है। कथा नाटक कौमुदी के अन्तर्गत जिन चर्चित नाटकों का समावेश किया गया है, वे अत्यन्त रोचक व बोधगम्य हैं। इनके माध्यम से विद्यार्थियों में संस्कृत अध्ययन के प्रति अभिरुचि जागृत करने का लक्ष्य है। पाठ्य–पुस्तक में संस्कृत व्याकरण से सम्बन्धित सम्पूर्ण ज्ञानवर्धक सामग्री का भी यथासम्भव समावेश किया गया है। पाठ्य–सामग्री के निर्माण में छात्रों के मानसिक विकास, बुद्धि कौशल एवं संस्कार संवर्धन पर विशेष ध्यान दिया गया है।

पाठ्य–पुस्तक के गद्य–भाग में व्याकरणात्मक टिप्पणी, शब्दार्थ और अनुवाद के साथ छात्रों के बोध की दृष्टि से संस्कृत भाषा में कतिपय प्रश्न संलग्न किये गये हैं, जिससे छात्रों में संस्कृत

भाषा को सीखने, पढ़ने एवं बोलने की प्रवृत्ति उत्पन्न हो सके। इसी प्रकार पद्य–भाग में भी अन्वय, शब्दार्थ व अनुवाद के साथ अभ्यास प्रश्नों का समावेश किया गया है। कथा नाटक भाग में इसी क्रम का अनुसरण किया गया है। अन्त में कुछ बहुविकल्पीय प्रश्न भी संग्रहीत हैं। संक्षेप में यह कहना समीचीन होगा कि पाठ के अन्त में अभ्यास के माध्यम से उत्तर लेखन में सक्षम हो सकें और संस्कृत उनके दैनन्दिन जीवन में व्यवहार की भाषा बन सके।

मूलतः संस्कृत भाषा एवं साहित्य हमारी भारतीय संस्कृति का मूलाधार है। अतएव इस पाठ्य–सामग्री के संकलन का यही उत्स है कि हमारे विद्यार्थी भारतीय संस्कृति से ओत–प्रोत हों, उनका आचरण व व्यवहार भारतीय संस्कृति के अनुरूप हो, उनमें देशप्रेम का भाव जागृत हो तथा वे एक अनुशासित, सुसंस्कारित एवं परिश्रमशील नागरिक बन सकें।

प्रस्तुत संकलित पाठ्य–सामग्री के अध्ययन से विद्यार्थियों में नई ऊर्जा, नवीन चेतना एवं अभिनव दिशा का सूत्रपात होगा यही आशा एवं विश्वास है। यद्यपि पाठ्य–पुस्तक में समग्र आवश्यक तथ्यों को समाहित करने का यथासम्भव प्रयास किया गया है, तथापि आपके रचनात्मक सुझावों के प्रति हम सतत् आभारी रहेंगे।

■

अनुक्रमणिका

पुरोवाक् iii

भूमिका v

खण्ड 'क' (गद्य, पद्य तथा आशुपाठ)

संस्कृत–साहित्य : एक परिचय 1-4

संस्कृतगद्यभारती

☐ मा >लिकम् 7-9

प्रथमः पाठः अस्माकं राष्ट्रियप्रतीकानि 10-13

द्वितीयः पाठः आदिकविः वाल्मीकिः 14-18

तृतीयः पाठः बन्धुत्वस्य सन्देष्टा रविदासः 19-22

चतुर्थः पाठः आजादः चन्द्रशेखरः 23-27

पञ्चमः पाठः भारतवर्षम् 28-31

षष्ठः पाठः परमवीरः अब्दुलहमीदः 32-35

सप्तमः पाठः पुण्यसलिला ग >ा 36-40

अष्टमः पाठः पर्यावरणशुद्धिः 41-45

नवमः पाठः अन्तरिक्षविज्ञानम् 46-50

दशमः पाठः भारतीयसंविधानस्य निर्माता डॉ0 भीमराव रामजी आंबेडकरः 51-56

संस्कृतपद्यपीयूषम्

☐ म >लाचरणम् 59-62

प्रथमः पाठः रामस्य पितृभक्तिः 63-70

द्वितीयः पाठः सुभाषितानि 71-75

तृतीयः पाठः अन्योक्तिमौक्तिकानि 76-81

चतुर्थः पाठः भारतदेशः 82-88

पञ्चमः पाठः नारीमहिमा 89-92

षष्ठः पाठः क्रियाकारककुतूहलम् 93-99

सप्तमः पाठः नीतिनवनीतम् 100-104

अष्टमः पाठः यक्षयुधिष्ठिरसंलापः 105-111

नवमः पाठः आरोग्यसाधनानि 112-116

संस्कृतकथानाटककौमुदी

प्रथमः पाठः	गार्गी–याज्ञवल्क्य–संवादः	119-122
द्वितीयः पाठः	वत्सराज–निग्रहः	123-127
तृतीयः पाठः	न गङ्गदत्तः पुनरेति कूपम्	128-131
चतुर्थः पाठः	शकुन्तलायाः पतिगृहगमनम्	132-136

खण्ड 'ख' (व्याकरण, अनुवाद तथा रचना)

1.	माहेश्वर सूत्र एवं वर्णों का उच्चारण–स्थान	139-148
2.	सन्धि	149-165
3.	शब्दरूप	166-173
4.	धातुरूप	174-186
5.	समास (तत्पुरुष, कर्मधारय एवं द्वन्द्व)	187-192
6.	कारक एवं विभक्ति	193-197
7.	उपसर्ग	198-201
8.	अनुवाद	202-208
9.	पत्रलेखन	209-213
10.	संस्कृत पदों का वाक्यों में प्रयोग।	214-216

■